Prabhat Khabar (Date: - 03/10/2019)

तैयारी. हॉस्टल से ही शुरू होगी एमएफए की पढ़ाई

आर्ट कॉलेज का हॉस्टल पीयू में होगा शिफ्ट

➲ छात्रों को पीयू में एमएफए शुरू होने का इंतजार

संवाददाता ▸ पटना

पटना यूनिवर्सिटी में कभी भी एमएफए की पढ़ाई शुरू हो सकती है. इसके लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही है. पुरानी फाइल एक बार पुनः टेबल पर लौट आया है. इस पर काम किया जा रहा है. पीयू कुलपति ने बीएफए(बैचलर ऑफ फाइन आर्ट) के पास आउट स्टूडेंट्स को भरोसा दिलाया है कि जल्द ही पीयू में एमएफए (मास्टर ऑफ फाइन आर्ट) की पढ़ाई शुरू हो जायेगी. अधिकारिक सूत्रों से मिल जानकारी के अनुसार पीयू कुलपति प्रो रास बिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि आर्ट कॉलेज का हॉस्टल पीयू में शिफ्ट कर दिया जाये. आठ कमरों और एक कॉमन रूम वाले इसी हॉस्टल में एमएफए कोर्स शुरू करने की योजना बन रही है. क्योंकि राजभवन ने एमएफए कोर्स के एप्रूवल को पीयू को लौटा दिया था. राजभवन ने कोर्स के संचालन के लिए जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं होने के साथ-साथ एक आर्ट फैकल्टी स्थापित करने की भी बात कही थी. इसके बाद से पीयू काफी सुस्त पड़ गया था, लेकिन इस बार आर्ट कॉलेज के दीक्षांत समारोह में पास आउट स्टूडेंट्स ने एमएफए कोर्स शुरू करने की मांग की थी. इसके बाद ही इस दिशा में काम तेजी से बढ़ा है. जल्द ही फाइनल प्रस्ताव तैयार कर एमएफए के एप्रूवल के लिए दुबारा राजभवन भेजा जायेगा.

पास आउट स्टूडेंट्स ने कहा कि बिहार में एमएफए की पढ़ाई की सुविधा नहीं होने के कारण छात्र बिहार के बाहर पढ़ाई के लिए चले जाते हैं. एमएफए की पढ़ाई के लिए पीयू सीनेट से 5 मार्च, 2016 को ही मंजूरी दे दी थी. 2016-17 में ही पढ़ाई शुरू होने वाली थी. लेकिन 2018-19 में भी इसकी उम्मीद नहीं दिख रही है. यूनिवर्सिटी की दलील है कि राजभवन ने कुछ सुझाव पीयू को भेजा है, जिसका पालन हो रहा है. इस कारण प्रक्रिया में देर हो रही है.

भवन बनाने के लिए 50 लाख दे चुका है कॉलेज : एमएफए कोर्स के संचालन जल्द से हो इसके लिए कॉलेज ने भवन निर्माण के लिए बिहार स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड को 50 लाख रुपये भी दे चुका है. यह रूसा का पैसा था, जो भवन निर्माण के लिए ही यूनिवर्सिटी से मिला था. लेकिन अब तक भवन बनाने की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पायी है जबकि भवन निर्माण के लिए नक्शा भी पास किया जा चुका है. इस प्रक्रिया में धीमी गति को देखते हुए हॉस्टल में ही कोर्स शुरू करने की योजना पीयू बना रहा है. इस हॉस्टल में 28 स्टूडेंट्स रहते हैं.

म्यूजिक और फाइन आर्ट विभाग की होगी स्थापना

डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो एनके झा ने कहा कि आर्ट फैकल्टी के तहत म्यूजिक और फाइन आर्ट विभाग की स्थापना होगी. इसी के तहत एमएफए भी शुरू होगा. इसकी तैयारी तेजी से चल रही है. कला एवं शिल्प महाविद्यालय के प्राचार्य अजय पांडेय का कहना है कि इस संबंध में पीयू के निर्देश का पालन किया जा रहा है.

स्टूडेंट्स की मांग, इसी सत्र में हो एडमिशन : कोर्स का रूल-रेगुलेशन तैयार है, केवल मंजूरी की आशा स्टूडेंट्स लगाये बैठे है. 40 सीट पर एडमिशन होना है. बीएफए फाइनल इयर के स्टूडेंट्स ने कहा कि सत्र 2019-20 में इसकी पढ़ाई शुरू कराने का प्रयास किया जाना चाहिए. यह कोर्स दो वर्ष व चार सेमेस्टर का होगा. एडमिशन टेस्ट के आधार पर होगा. इसमें 50% मार्क्स के साथ बैचलर ऑफ विजुअल व बैचलर ऑफ फाइन आर्ट डिग्री वाले स्टूडेंट्स ही शामिल हो सकते है.

32 वर्ष से अधिक उम्र वाले स्टूडेंट इसके लिए अप्लाइ नहीं कर सकते है. एमएफए के तहत चार कोर्स की पढ़ाई होगी. इसमें अल्पलाइड आर्ट, स्कल्प्चर, पेंटिंग व ग्राफिक्स एंड प्रिंट मेकिंग की पढ़ाई होगी. सभी में 10-10 सीटें है.

Prabhat Khabar (Date: - 03/10/2019)

बहाली • इसी माह आयेगा विज्ञापन, केंद्रीय चयन पर्षद को भेजा गया रिक्तियों का ब्योरा

सिपाही के 9900 व फायरमैन के 1965 पदों पर नियुक्ति

संवाददाता ▷ पटना

पुलिस में सिपाही बनने के लिये बहाली का इंतजार कर रहे युवाओं को कुछ दिन और इंतजार करना होगा. सिपाही के करीब 9900 तथा फायरमैन के 1965 पदों पर नियुक्ति होनी है. पुलिस मुख्यालय ने रिक्तियों का ब्योरा केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) को भेज दिया है. करीब एक साल से अटकी इस बहाली के लिए चयन पर्षद हफ्ते-दो हफ्ते में पुनः विज्ञापन जारी करने की तैयारी में जुटी है.

आठ लाख से अधिक युवाओं ने आवेदन किया था: बिहार पुलिस, बीएमपी, तथा पुलिस की विभिन्न इकाइयों में सिपाही के करीब 9900 तथा फायरमैन के 1965 पदों के लिए केंद्रीय चयन पर्षद ने वर्ष 2017 में विज्ञापन जारी किया था. इन पदों के लिए आठ लाख से अधिक युवाओं ने आवेदन किया था.

25 नवंबर, 2018 को मुख्य परीक्षा होती इससे पहले नौ नवंबर को एक आदेश जारी कर बहाली को रद्द कर दिया गया. इसका कारण नियमों में बदलाव कर नये सिरे से बहाली करना था. करीब 11 महीने बाद पुलिस मुख्यालय ने बहाली के लिए पूरा ब्योरा केंद्रीय चयन पर्षद को दो दिन पहले दिया है. विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय चयन पर्षद दशहरा के आसपास बहाली के लिए विज्ञापन जारी कर ऑनलाइन आवेदन मांग सकती है.

पूर्व आवेदकों का माफ हो सकता है आवेदन शुल्क

सिपाही बहाली की प्रक्रिया रद्द करने से आठ लाख से अधिक युवाओं के अरमानों पर पानी फिर गया था. फार्म भरने में ही हजारों रुपये खर्च हो गये. सूत्रों के अनुसार कुछ दिन में बहाली के लिये आवेदन मांगे जायेंगे इनमें पूर्व आवेदकों को राहत मिल सकती है. चयन पर्षद पात्र आवेदकों से आवेदन शुल्क न लेने का रास्ता निकाला जा रहा है.

Prabhat Khabar (Date: - 03/10/2019)

ज्ञान भवन में गूंजते रहे महात्मा गांधी के विचार

ज्ञान भवन में स्मारिका का विमोचन करते सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सुशील मोदी, विस अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी व अन्य.

किताबों में बसे गांधी विचारों में जिंदा हो उठे

विद्यार्थियों के दिल पर छा गया सच्चा और अच्छा, 'एक था मोहन'

गांधीगिरी में डूबे रहे बड़ों के साथ बच्चे

राजधानी स्थित आधुनिक और पारंपरिक साज सज्जा वाले भव्य ज्ञान भवन में सादगी की प्रतिमूर्ति महात्मा गांधी के विचार पूरे पांच घंटे से अधिक समय तक गूंजे. गांधी के विचार भाव में असंख्य विद्यार्थी डूबते-उतराते दिखे. ज्ञान भवन में बुधवार को चरखा भी था. सूत भी था. उनका कर रहे बच्चे भी मौजूद थे. इस परिदृश्य में ऐसा लगा जैसे किताबों से निकलकर गांधी लोगों के विचारों में फिर जिंदा हो गये.

देश भर से अच्छी संख्या में आये पर्यावरणविद,साहित्यकार और विचारक सब गांधी के विचारों को खासतौर पर कॉलेज के बच्चों को घुट्टी की तरह पिलाते दिखे. सरकारी मशीनरी गांधी वादियों की सेवा में बिल्कुल सतर्क रही. गांधी के शिक्षा से जुड़े विचारों लेकर उनकी समग्र दृष्टि पर भी चर्चा हुई. गांधी के विचारों पर हुए विमर्श में सबसे ज्यादा उत्साहजनक स्थिति बच्चों की उपस्थित रही. बच्चों का अनुशासन गजब का रहा. शिक्षाविद वागीश झा की डांट फटकार भी सुनी, लेकिन बच्चों ने कान पकड़कर 'सॉरी' भी बोला. यह सब गांधी के विचारों का ही प्रभाव था. दरअसल बात कस्तूरबा कक्ष की रही. विद्यार्थी सेल्फी ले रहे थे. शिक्षा के प्रयोग धर्मी वागीश झा का 'मास्टरत्व' जाग उठा. उन्होंने न केवल बच्चों को डांट पिलायी. बल्कि कुछ को वहां से जाने के लिए भी कह दिया था. बाद में मुस्कराते हुए उन्होंने बच्चों को माफ भी कर दिया. खास बात यह रही कि सब कुछ 'गांधीगिरी' की तर्ज पर हुआ. विमर्श भी लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित हुए. मंच पर बैठे विद्वानों ने कई श्रोताओं को मंच से बोलने का अवसर भी दिया. उनके तीखे सवालों के जवाब भी दिये. विद्यार्थियों से भी संवाद हुआ.जब विमर्श खत्म हुआ तो बच्चों ने बताया कि वे गांधी को लेकर जा रहे हैं, क्योंकि हमारा 'मोहन' सच्चा और अच्छा था.

ज्ञान भवन में रखे चरखों को देखते सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सुशील मोदी, विस अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी व अन्य.

हुकूमत मजबूत हो रही है, समाज कमजोर

जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर व शिक्षाविद आनंद कुमार ने कहा कि जात, धर्म, भाषा को लेकर एक बिखराव है. हुकूमत मजबूत हो रही है और समाज कमजोर. इसे रोकने की जरूरत है. आज ईमानदार जनप्रतिनिधियों की भारी कमी है. चुनावों में विदेशी ताकतों की पूंजी का इस्तेमाल हो रहा है. विपक्ष भी प्रभावहीन होता जा रहा है. क्योंकि सभी दल ऐसा कर रहे हैं. कालाधन बढ़ रहा है. जो चंदा लेंगे वे कमावेंगे ही और उससे अधिक चुकावेंगे. इसमें सुधार की जरूरत है. भीड़ की संस्कृति बढ़ती जा रही है. कोई किसी को सड़क पर मार दे रहा है क्योंकि अदालतों पर से भी विश्वास कम हुआ है. ईमान खुद से फैसले ले ले रहे हैं. सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय व राजनीतिक न्याय का अभाव हमें भीड़ का हिस्सा बनने पर मजबूर कर रहा है. लोगों को हिंसा की आदत होते जा रही है. क्योंकि भारतीय लोकतंत्र नायक नहीं खलनायक पैदा कर रहे हैं. बिहार में बड़ी संभावना है. बड़े आंदोलनों का जनक बिहार रहा है.

डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी ने गांधी विचार समागम में रखे अपने विचार

सूबे को सीएम व देश को पीएम ने बनाया ओडीएफ

डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) बना दिया है. गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर उनके सपने को साकार करने का यह सबसे बड़ा काम है. बापू कहते थे कि स्वच्छता राजनैतिक आंदोलन से ज्यादा जरूरी है. शहर के बापू सभागार में आयोजित गांधी विचार समागम में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि अब गरीब आदमी भी घर में शौचालय बना रहा है. यह दुनिया का सबसे बड़ा आंदोलन है. देश ने यह बता दिया कि अगर कोई राजनेता तय कर ले, तो कुछ भी हासिल कर सकते हैं.

जन सहभागिता से पांच साल में 10 करोड़ से अधिक शौचालय बनाये गये. तब ओडीएफ का लक्ष्य हासिल हुआ है. उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी ने दलितों के प्रति छुआछूत दूर करने के लिए देश में आठ हजार 500 मील की यात्रा की थी. बिहार में जब गांधी मंदिरों के द्वार खुलवाने आये थे, तो अक्सर में उन पर पत्थर चले थे. देवघर में उनकी गाड़ी पर हमला किया गया था. आज एससी-एसटी वर्ग को जो आरक्षण मिला हुआ है, वह गांधी और अंबेडकर की देन है. गांधी ने दलितों को हिन्दू समाज से तोड़ने की अंग्रेजों की चाल विफल कर दी थी. 24 सितंबर 1932 को उनके और अम्बेकर के बीच पूना समझौता हुआ, जिसमें तय हुआ कि आरक्षित सीट पर दलित प्रत्याशी को केवल दलित नहीं पूरा समाज वोट देगा. उन्होंने कहा कि गांधी जन्म के 150 वर्ष और मृत्यु के 71 वर्ष बाद भी उतने ही प्रासंगिक बने हुए हैं. उन्होंने अपने जीवन में इतने काम किये, जो सामान्य आदमी के समझ से परे है. 200 साल में गांधी जैसा कोई व्यक्ति पैदा नहीं हुआ.

- 150 वर्ष और मृत्यु के 71 वर्ष बाद भी उतने ही प्रासंगिक बने हुए हैं.

Prabhat Khabar (Date: - 03/10/2019)

धूप खिलने के साथ पंडालों का निर्माण कार्य हुआ तेज, लेने लगे आकार

पंचमुखी मंदिर बोरिंग रोड पंडाल में दिखेगा जम्मू का रघुनाथ मंदिर

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

सप्तमी में महज तीन दिन ही बचे होने के कारण हर तरफ पूजा पंडाल की तैयारी जोर-शोर से चल रही है. हर कोई अपने पंडाल को खास तरीके से दिखाने की कोशिश कर रहा है. पंचमुखी मंदिर बोरिंग रोड में पंडाल के रूप में जम्मू का रघुनाथ मंदिर बनाया जा रहा है. इसकी ऊंचाई करीब 60 फुट और चौड़ाई 35 फुट होगी. इस भव्य पंडाल को बनाने के लिए एक महीने से तैयारी हो रही है. पंडाल को बनाने के लिए कोलकाता की टीम आयी हुई है, जो उसे अंतिम आकार देने में जुटी हुई हैं. पटना के शिवशंकर पंडित मां दुर्गा की मूर्ति बना रहे हैं. इस बार मूर्ति की ऊंचाई करीब 18 फुट है. पूजा समिति के अध्यक्ष कुमार राकेश रंजन, सचिव अशोक कुमार सिंह और कोषाध्यक्ष बिरजू प्रसाद हैं.

कोलकाता के तर्ज पर होगी सजावट

कोलकाता का दुर्गापूजा हर जगह प्रसिद्ध है. क्योंकि वहां का पंडाल और लाइटिंग डेकोरेशन लोगों को काफी आकर्षित करता है. इसलिए पंचमुखी मंदिर पूजा समिति ने भी इस बार कोलकाता की तर्ज पर लाइटिंग और सजावट करने का निर्णय लिया है. पंडाल के आस-पास एलइडी लाइट से सजावट होगी. यहां नवरात्र में कलश स्थापना भी कई पंडितों के मंत्रोच्चारण के साथ होता है. इस साल अष्टमी के दिन भंडारा आयोजित किया जायेगा, जिसमें भक्तों के बीच प्रसाद वितरण होने वाला है.

बोरिंग कैनाल रोड स्थित पंचमुखी मंदिर के पास बन रहा पूजा पंडाल.

दुर्गा पूजा के अवसर पर हमारी तैयारी में कोई कमी नहीं है. लंबे समय से मीटिंग चल रही है. बारिश भी थम गयी. ऐसे में तैयारी जोरों पर है. क्योंकि षष्टी तक सब कुछ होना जरूरी होता है. सप्तमी से माता का पट खुल जाता है.

कुमार राकेश रंजन, अध्यक्ष, पंचमुखी मंदिर

पंचमुखी मंदिर के पास 1994 से लगातार मूर्ति स्थापित होते आयी है. पूजा पंडाल की तैयारियों के साथ-साथ यहां भक्तों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है, ताकि पूजा के दौरान भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो.

संतोष कु जयसवाल, कार्यकारिणी सदस्य

डाकबंगला चौराहे पर कुछ यूं बन रहा भव्य पंडाल.

बड़ी देवी मारुफगंज में दुर्गा देवी बोधन अधिवास आज

पटना सिटी. बुधवार को भक्तों ने देवी के चौथे स्वरूप कुष्मांडा की उपासना की. गुरुवार को भक्त देवी के पांचवें स्वरूप स्कंदमाता की उपासना करेंगे. इधर पूजा पंडालों को सजाने व संवारने का काम भी परवान चढ़ गया है. बड़ी देवी जी मारुफगंज व महाराजगंज में भी पूजा-अर्चना का अनुष्ठान चल रहा है. बड़ी देवी जी मारूफगंज के अध्यक्ष अनिल कुमार व उपाध्यक्ष संत लाल गोलवारा ने बताया कि गुरुवार को पंचमी पूजन दोपहर 12 बजे व दुर्गा देवी बोधन अधिवास शाम सात बजे होगा. दूसरी, ओर शक्तिपीठ मंदिरों में बड़ी पटनदेवी, अगमकुआं शीतला माता मंदिर व सर्व मंगला देवी मंदिर गुलजारबाग में भगवती की आराधना का अनुष्ठान चल रहा है.

तख्त साहिब में चंडी पाठ, पहुंच रहे साध-संगत

पटना सिटी. नवरात्र के अवसर पर वर्षों से चली आ रही परंपरा के तहत श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज की जन्मस्थली तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब में बुधवार को चंडी दी वार का पाठ वरीय मीत ग्रंथी भाई बलदेव सिंह की देखरेख में हुआ. वहीं, गुरुवाणी प्रचार सेवा केंद्र में प्रो लाल मोहर उपाध्याय की देखरेख में दुर्गा सप्तशती पाठ चल रहा है.